इंडियन एयरलाइन्स केबिन क्रू एसोसिएशन द्वारा दिया गया ज्ञापन

4153. **डा० बापू कालदाते :** क्या नागर विमानन और पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि इंडियन एयरलाइन्स केबिन क्रू एसोसिएशन ने इंडियन एयरलाइन्स के प्रबंधकों को 3 अगस्त, 1992 को एक ज्ञापन दिया है ;

(ख) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ; और

नागर विमानन और पर्यटन मंत्री (श्री माधवराव सिंधिया) : (क) और (ख) एयरलाइन्स केबिन क्रू एसोसिएशन से एक अभ्यावेदन प्राप्त हुआ है जिसमें अनुरोध किया गया है कि उप मुख्य केबिन क्रू के पद के लिए नियुक्तियों को उस समय तक अधिसूचित नहीं किया जाता और प्राप्त हुई आपत्तियों को, यदि कोई हो, निपटान नहीं हो जाता है तथा पदों को वरिष्ठता के आधार पर पदोन्नति द्वारा भरा जाए ।

(ग) केबिन क्रू की भर्ती क्षेत्रीय आधार पर की जाती है, और इस प्रकार फ्लाइट पर्सरों तथा विमान परिचारिकाओं की संयुक्त वरिष्ठता सूचियां का रख-रखाव क्षेत्रवार किया जाता है । इन सूचियों का प्रदर्शन कर दिया गया है तथा इन्हें संबंधित कर्मचारियों से प्राप्त आपत्तियों, यदि कोई हो, पर विचार करने के बाद अंतिम रूप दिया जाएगा । एयरलाइन्स केबिन क्रू एसोसिएशन एक गैर-मान्यता प्राप्त संगठन है । एयर कारपोरेशन एम्पलाईज यूनियन (केबिन क्रू का भी प्रतिनिधित्व करने वाला एक मान्यता प्राप्त संगठन) के साथ समझौते के अनुसार, व्यवसाय परीक्षा और साक्षात्कार के माध्यम से चयन के आधार पर, उप मुख्य केबिन क्रू के पदों पर नियुक्तियां की जाती हैं ।

Reintroduction of Vayudoot service to certain places

4154. SHRI PRAVAT KUMAR SAMANTARAY: Will the Minister of CIVIL AVIATION AND TOURISM be pleased to state:

(a) whether he is aware that Government of Orissa is requesting Vayudoot authorities for reintroduction of its service in Bhubaneshwar-Jeypore-Vizag and Bhubaneshwar-Rourkela-Calcutta Sector which has been withdrawn in 1986 and 1989 due to shortage of aircraft; and

(b) if so, what is the specific decision of the Central Government in the matter?

THE MINISTER OF CIVIL AVIATION AND TOURISM (SHRI MADHAVRAO SCINDIA): (a) Yes, Sir.

(b) Due to commercial and operational reasons, it is not possible for Vayudoot to rentroduce these services at present.

Money spent by Tourism Department in Court Disputes

4155. SHRI RAMDAS AGARWAL: Will the Minister of CIVIL AVIATION AND TOURISM be pleased to state:

(a) whether Government's attention has been drawn to a news item published in the Hindi Edition of Nav Bharat Times of 4th August, 1992 captioned 'Mukadamebaji mein Paryatan Nigam ke Karoron Kharch' on one of the dismissed employees of Ranjit Hotel, Delhi;

(b) if so, the details thereof and reasons therefor; and

(c) what is the present position of the above mentioned case and since when the case was first registered?

THE MINISTER OF CIVIL AVIATION AND TOURISM (SHRI MADHAVRAO SCINDIA): (a) and (b) Yes, Sir. There is no truth in the news item.

(c) The case was filed in the Delhi High Court in September 1984 by the petitioner. He has now filed a review petition in the Supreme Court.

Concession given to physically handicapped persons by Air India and Indian Airlines

4156. SHRI MOHAMMED AFZAL alias MEEM AFZAL:
SHRIMATI KAMLA SINHA:
SHRI RANJAN PRASAD YADAV:

Will the Minister of CIVIL AVIATION AND TOURISM be pleased to state:

(a) whether Air India or Indian Airlines are giving concessions in the air fare to physically handicapped persons as is being given by the Indian Railways; and

(b) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF CIVIL AVIATION AND TOURISM (SHRI MADHAV RAO SCINDIA): (a) and (b) While Indian Airlines gives concessional airfare to blind persons and stretcher cases, Air India has no such provisions. Air India, however, honours concessional air tickets issued to blind persons by Indian Airlines, on the domestic leg of its flights.

सर्दियों के मौसम के दौरान पर्यटकों के लिए विशेष योजनाएं

4157. **श्री शंकर दयाल सिंह** : क्या **नागर विमानन और पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने आगामी सर्दियों के मौसम में अधिकाधिक विदेशी पर्यटकों को भारत आने के लिए आकृष्ट करने के लिए कोई विशेष योजना तैयार की की है ; और

(ख) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है और क्या सरकार ने इस संबंध में किसी साहित्य का प्रकाशन किया है और यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ?

नागर विमानन और पर्यटन मंत्री (श्री माधवराव सिंधिया) : (क) और (ख) पर्यटन विभाग सर्दियों के मौसम में विदेशी पर्यटकों के आगमन में वृद्धि करने के लिए भारत का एक आकर्षक पर्यटक गन्तव्य स्थल के रूप में प्रचार कर रहा है तथा ऐसा करते समय हिम क्रीडाओं रोमान्चक पर्यटन, खरीदारी, मेलों और पर्वों, वन्य-जीव, संस्कृति, समुद्रतट पर्यटन आदि पर विशेष जोर दिया जा रहा है । पन्द्रह यात्रा परिपथ/गन्तव्य-स्थल भी गहन विकास/संवर्धन हेतु अभिनिर्धारित किए गए हैं ।

आठवीं योजना के दौरान देश में पर्वतीय क्षेत्रों का विकास

4158. **श्री शंकर दयाल सिंह** : क्या **नागर विमानन और पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश में कौन-कौन से ऐसे पर्वतीय क्षेत्र हैं जहां देशी-विदेशी पर्यटकों का आगमन प्रतिवर्ष पचास हजार से अधिक होता है ;

(ख) क्या सरकार ने आठवीं पंचवर्षीय योजना अवधि के दौरान ऐसे पर्वतीय क्षेत्रों के विकास के लिए कोई विशेष कार्यक्रम तैयार किये हैं ; और

(ग) यदि हां, तो उनका ब्यौरा क्या है ?

नागर विमानन और पर्यटन मंत्री (श्री माधवराव सिंधिया) : (क) संबंधित आकड़े उपलब्ध नहीं हैं ।

(ख) जी, नहीं ।

(ग) प्रश्न नहीं उठता ।